मेक इन इंडिया | आईसीएआई गुड्स एंड सर्विस टैक्स को लागू करने बढ़-चढ़कर कर रहा काम

कास्ट अकाउंट का दायित्व बढ़ा: भट्टड़

सिटी रिपोर्टर | बिलासपुर

प्रधानमंत्री की मेक इन इंडिया की अवधारणा को अमलीजामा पहनाने श्रम, मशीन और कृषि उत्पादकता को बढ़ाना जरूरी है, जिससे संसाधनों का समुचित उपयोग हो सके। इन सब कार्यों में कास्ट अकाउंटेंट्स अहम भूमिका अदा कर रहा है। रविवार को व्यापार विहार स्थित एक होटल में द इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एंड अकाउंटेंट्स बिलासपुर चैप्टर के सेमिनार में पहुंचे नेशनल प्रेसीडेंट सीएमए पीवी भट्टड़ ने पत्रकारों से चर्चा में ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि देश के विकास में कास्ट अकाउंटेंट्स का दायित्व बढ़ता जा रहा है। पहले कास्ट अकाउंटेंट्स बड़े उद्योगों के प्रबंधन तक सीमित थे। अब आईसीएआई यानी इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एकाउंटेंट आफ इंडिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संकल्पित मेक इन इंडिया अभियान के तहत सूक्ष्म व लघु उद्योगों के बीच प्रतिस्पर्धा विकसित करने का काम कर रहा है। भट्टड़ ने बताया कि आईसीएआई गुड्स एंड सर्विस टैक्स को देश में लागू किए जाने की दिशा में भी बढ़-चढ़ कर काम कर रहा है। इस प्रस्ताव को पार्लियामेंट के समक्ष भी रखा गया है। जिसके लागू होने से विभिन्न प्रकार के टैक्स एक हो जाएंगे। इससे उद्यमियों को टैक्स जमा करने में सहूलियत होगी और

शहर के एक होटल में कंपनी एक्ट की जानकारी दी गई।

एकाउंटेंट्स को दी गई कंपनी एक्ट 2013 की जानकारी

चैप्टर द्वारा आयोजित सेमिनार में आईसीएआई प्रेसीडेंट भट्टड़ ने कंपनी एक्ट 2013 की बारीकियों व ग्लोबल मार्केटिंग में आ रहे बदलाव को बताया। इस मौके पर चेयरमैन बिलासपुर चैप्टर आफ कास्ट एकाउंटेंट दीपेन मेहरा, सचिव वेस्टर्न रीजन श्रीराम महाकालीवार, एसईसीएल के डायरेक्टर आफ फाइनेंस एपी पांडा सहित 82

इस प्रोफेशन में युवाओं का रुझान बढ़ाने प्लेसमेंट को बढ़ावा दिया जा रहा

सीए हो या कास्ट एकाउंटेंट प्रोफेशन में युवाओं का रुझान कम होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसके लिए इंस्टीट्यूट प्लेसमेंट प्रोग्राम चला रही है। भविष्य में इनकी गति और बढ़ाई जाएगी, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को इस प्रोफेशन से जोड़ा जा सके। वर्तमान में कास्ट एकाउंटेंट्स के क्षेत्र में युवाओं के लिए

कॉस्ट एकाउंट में बेहतर मौके: भट्टड़

बिलासपुर(निप्र)। देश में चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) को सभी जानते हैं, लेकिन कॉस्ट मैनेजमेंट एकाउंटेड (सीएमए) से कम ही परिचित हैं। किसी भी कंपनी का वार्षिक लेखा-जोखा सीए तैयार करते हैं। वहीं, सीएमए काम शुरू होने से पहले सेवा प्रदाताओं, उत्पादक व डिलरों से नियमित संपर्क कर आर्थिक सुधार के लिए सुझाव देता है। इनका लक्ष्य सूक्ष्म व लघु उद्योगों के मध्य प्रतिस्पर्धा विकसित कर उद्यमी तैयार करना है। इस क्षेत्र में युवाओं के बेहतर मौके हैं। यह बातें द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउंटेट्स ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट पीवी भट्टड़ ने रविवार को होटल आनंदा में पत्रवार्ता के दौरान कही।

श्री भट्टड़ कोलकाता से शहर सीएमए

बिलासपुर। पत्रकारों से चर्चा करते अधिकारी। - फोटो : नईदुनिया

के एक दिवसीय सेमिनार में शामिल होने पहुंचे थे। इसमें बड़ी संख्या में कॉस्ट एकाउंट के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। यहां उन्हें प्लेसमेंट सेल और इस क्षेत्र में भविष्य संवारने की जानकारी दी गई। इस दौरान प्रेसिडेंट श्री भट्टड़ ने पत्रकारों को नए कॉस्ट ऑडिट रिकार्डस नियम 2014 के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कॉस्ट व मैनेजमेंट में विशेषज्ञता युक्त देश की एकमात्र संस्था है।

यह आर्थिक गतिविधियों में प्रबंधकीय नियंत्रण, वैज्ञानिक विधियों का समावेश शोध व प्रकाशन के साथ देश के विभिन्न भागों में सेमिनार कान्फ्रेंस

- इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट सेमिनार में हुए शामिल

आदि कराती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया अभियान के तहत सूक्ष्म व लघु उद्योगों के मध्य प्रतिस्पर्धा विकसित करने तथा उद्यमी तैयार करने की दिशा में एसोचैम के साथ मिलकर साझा मंच तैयार किया जा रहा है। इस मौके पर वेस्टर्न रिजन के सेक्रेटरी राम मकालीवार व चैप्टर ऑफ कॉस्ट एकाउंट बिलासपुर के चेयरमैन दीपेंद्र मेहरा विशेष तौर पर मौजूद थे।